सूचना का अधिकार अधिनियम – 2005 के अध्याय – 2 की

धारा–4 (1) ख (1)

मैनुअल संख्या – 1

संगठन की विशिष्टियाँ, कृत्य और कर्तव्य

इस मैनुअल को तैयार करने में यद्यपि यथोचित सावधानियाँ बरती गयी हैं, तथापि इसके प्रकाशन में यदि कोई त्रुटि रह गयी हो तो कृपया महाप्रबन्धक (एमडीओ), कार्यालय, यूजेवीएन लिमिटेड, उज्जवल, महारानी बाग, जीएमएस रोड, देहरादून पिन–248006 को डाक अथवा ई–मेल vivek.atreya@ujvnl.com पर सूचित करें।

(क) संगठन की विशिष्टियाँ

नाम	:	यूजेवीएन लि0
स्थापना की तिथि	:	12.02.2001
स्थापना की प्रविधि	:	कम्पनी अधिनियम, 1956 (यथा संशोधित 2013) के विधानों के अधीन एक सरकार कम्पनी के रूप में निगमीकृत।
प्रशासनिक मंत्रालय	:	ऊर्जा विभाग, उत्तराखण्ड सरकार
वर्तमान स्थिति	:	कम्पनी अधिनियम 1956 (यथा संशोधित 2013) की धारा 617 के अन्तर्गत एक सरकारी कम्पनी।
अंशपूँजी	:	प्राधिकृत : रू0 3000.00 करोड़
		सब्सक्राइब्ड, निर्गत एवं पेड–अप : रू0 1458.50 करोड़
वर्तमान अंशधारिता	:	वर्तमान स्थिति 31.03.2024 के अनुसार 99.99 प्रतिशत अंश पूँजी उत्तराखण्ड शासन के नाम से आबंटित
पंजीकृत कार्यालय का पता	:	''उज्ज्वल'', महारानी बाग, जनरल महादेव सिंह मार्ग, देहरादून–248006 दूरभाष : 0135–2523227 फैक्सः 0135–2769919 ई–मेल : secujvnl@ujvnl.com वेबसाईट : www.ujvnl.com

(ख) संक्षिप्त इतिहास

यूजेवीएन लि0 का इतिहास पूर्ववर्ती उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद में खोजा जा सकता है। उत्तर प्रदेश विद्युत सुधार अधिनियम, 1999 के प्राविधानों के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश विद्युत सुधार हस्तान्तरण योजना के द्वारा पूर्ववर्ती उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद (संक्षेप में उ0प्र0रा0वि0प0) का तीन भागों – उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लि0, उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लिमिटेड तथा उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड में विभाजन किया गया। उपरोक्त हस्तान्तरण योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद द्वारा संचालित एवं स्वामित्व वाली सभी जल विद्युत परियोजनायें उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लिमिटेड (सरकारी कम्पनी जो पहले से ही अस्तित्व में थी) को हस्तांतरित कर दी गयी।

वर्ष 1985 में लघु, अति लघु एवं माइक्रो जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना एवं परिचालन के उददेश्य से उ0प्र0 अल्पार्थक एवं लघु जल विद्युत निगम लि0 की स्थापना की गई थी। बाद में इस कम्पनी का नाम परिवर्तित कर पहले उ0प्र0 लघु जल विद्युत निगम लिमिटेड और अन्ततः 1996 में उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लिमिटेड कर दिया गया।

वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 (Re-organization Act, 2000) के द्वारा अविभाजित उत्तर प्रदेश राज्य का पुनर्गठन कर उत्तरांचल राज्य का गठन किया गया, जिसका नाम बाद में उत्तराखण्ड कर दिया गया। इस अधिनियम की धारा 63(4) (a) के प्राविधानों के तहत भारत सरकार के आदेश दिनांक 05.11.2001 के द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में अवस्थित उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लि0 की सभी जल विद्युत परियोजनाओं की परिसम्पत्ति एवं देयों का विभाजन उत्तरांचल जल विद्युत निगम लि0 के पक्ष में कर दिया गया जिसके बाद से इन सभी परियोजनाओं का स्वामित्व एवं परिचालन उत्तरांचल जल विद्युत निगम लिमिटेड (तदोपरांत परिवर्तित नाम उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड एवं वर्तमान में यूजेवीएन लिमिटेड) के पास है।

01 जनवरी 2007 से उत्तरांचल राज्य का नाम उत्तराखण्ड किये जाने के उपरान्त राज्य सरकार के अधीन विभिन्न विभागों, निगमों, संस्थाओं एवं स्थापनाओं के भी नाम परिवर्तन आवश्यक हो गये थे। उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम के नाम परिवर्तन हेतु केन्द्र सरकार द्वारा आदेश संख्या एस0आर0ए0ए0 166657113 दिनांक 02 जुलाई 2007 द्वारा ''**उत्तरांचल जल विद्युत निगम लिमिटेड**'' से परिवर्तित कर ''**उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड**'' करने की अनुमति प्रदान कर दी गई है।

4 अप्रैल, 2011 को ''उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड'' का नाम परिवर्तित कर **''यूजेवीएन लिमिटेड''** कर दिया गया।

(ग) निगम के कार्य एवं कर्तव्य

यूजेवीएन लिमिटेड की स्थापना राज्य में लघु, मध्यम एवं वृहद जल विद्युत परियोजनाओं, परम्परागत, गैर–परम्परागत ऊर्जा स्रोतों के विकास, निर्माण, परिचालन, उत्पादन एवं अनुरक्षण हेतु की गयी है। इसके विभिन्न उद्देश्य निगम की स्थापना

के समय निर्मित एवं समय–समय पर संशोधित "मेमोरेन्डम आफ एसोशियेशन" में वर्णित है।

(घ) कार्यालय एवं विद्युत परियोजनाएं

यूजेवीएन लिमिटेड का कारपोरेट एवं पंजीकृत मुख्यालय "उज्ज्वल", महारानी बॉग, जनरल महादेव सिहं मार्ग, देहरादून में अवस्थित है। अध्यक्ष, प्रबन्ध निदेशक, पूर्णकालिक निदेशकों, अधिशासी निदेशक (मा0 सं0), अधिशासी निदेशक (ओ0एण्डएम0), महाप्रबन्धक (लघु जल विद्युत), महाप्रबन्धक (सीडीएच एण्ड एनपी) महाप्रबन्धक (लेखा), एवं महाप्रबन्धक–कार्मिक एवं औद्यौगिक सम्बन्ध के कार्यालय भी "उज्ज्वल" प्रांगण में स्थित हैं। निगम से सम्बन्धित समस्त निर्माण, परिचालन, विकास इत्यादि के कार्यो का केन्द्रीय संचालन इस मुख्यालय से होता है।

निगम के अन्य कार्यालयों व इकाइर्यो का विवरण निम्न प्रकार से हैः–

देहरादून

उपरोक्त वर्णित कार्यालयों के अतिरिक्त देहरादून में यूजेवीएन लि0 के कई अन्य कार्यालय गंगा भवन, यमुना कालोनी में स्थित हैं। गंगा भवन में अधिशासी निदेशक (ई0एण्डएम0), महाप्रबन्धक–जानपद अनुरक्षण, महाप्रबन्धक (आरएमयू) एवं महाप्रबन्धक–(विद्युत एवं यांत्रिक परिकल्प) के कार्यालय है। यमुना भवन यमुना कालोनी में जनपदीय अनुरक्षण का कार्यालय संचालित हो रहा हैं। इसके अतिरिक्त उप महाप्रबन्धक–सिविल डिजाइन द्वितीय का कार्यालय भी कियाशील हैं।

ऋषिकेश

देहरादून जिले के अन्तर्गत ही ऋषिकेश में उप महाप्रबन्धक–सिविल डिजाइन –प्रथम का कार्यालय अवस्थित हैं। इसके अतिरिक्त पशुलोक बैराज के संचालन हेतु अधिशासी अभियन्ता जानपद अनुरक्षण एवं अधिशासी अभियन्ता (वि0 / या0) का कार्यालय कियाशील हैं।

डाकपत्थर

देहरादून जिले के डाकपत्थर में निगम की यमुना घाटी की परियोजनाओं यथा छिबरो एवं खोदरी के संचालन हेतु महाप्रबन्धक (यमुना वैली–प्रथम) का कार्यालय स्थापित है। छिबरो एवं खोदरी परियोजनाओं के परिचालन एवं अनुरक्षण हेतु उप महाप्रबन्धक, डाकपत्थर का कार्यालय डाकपत्थर में स्थित है।

देहरादून जिले के ढकरानी में निगम की यमुना घाटी की परियोजनाओं यथा ढकरानी, ढालीपुर एवं कुल्हाल के संचालन हेतु महाप्रबन्धक (यमुना वैली–द्वितीय) का कार्यालय स्थापित है। ढकरानी, ढालीपुर एवं कुल्हाल परियोजनाओं के परिचालन एवं अनुरक्षण हेतु उप महाप्रबन्धक, ढकरानी का कार्यालय ढकरानी में स्थित है।

देहरादून जिले के डाकपत्थर में निगम की यमुना घाटी की व्यासी परियोजना के संचालन हेतु महाप्रबन्धक (ई0एण्डएम0–लखवाड़ व्यासी) का कार्यालय स्थापित है। व्यासी जल विद्युत परियोजना के परिचालन एवं अनुरक्षण हेतु उप महाप्रबन्धक (ई0एण्डएम0–व्यासी) का कार्यालय डाकपत्थर में स्थित है।

इस परियोजना के जानपदीय अनुरक्षण कार्यों हेतु महाप्रबन्धक (जा0अनु0), उपमहाप्रबन्धक (जा0अनु0),तथा अधिशासी अभियन्ता जानपद अनुरक्षण के कार्यालय भी कियाशील है।

इसके अतिरिक्त लखवाड़ परियोजना के निर्माण हेतु अधिशासी निदेशक (जानपद–लखवाड़ व्यासी) एवं महाप्रबन्धक जानपद (लखवाड़) का कार्यालय भी डाकपत्थर में स्थित है। उत्तराखण्ड एवं हिमाचल सरकार का संयुक्त उपक्रम किशाऊ कॉरपोरेशन लि0 का मुख्यालय भी डाकपत्थर में स्थित है। महाप्रबन्धक जानपद (त्यूनी–प्लासू/आराकोट–त्यूनी)तथा उपमहाप्रबंधक (त्यूनी–प्लासू/आराकोट–त्यूनी) का कार्यालय भी डाकपत्थर में स्थित है।

<u>हरिद्वार</u>

हरिद्वार जिले में निगम के महाप्रबन्धक (गंगा वैली) का कार्यालय स्थापित है, जिसके अन्तर्गत चीला, पथरी एवं मौहम्मदपुर परियोजनाओं का संचालन किया जाता है। चीला विद्युत गृह के परिचालन एवं अनुरक्षण हेतु उप महाप्रबन्धक, चीला का कार्यालय चीला में स्थित है। पथरी एवं मौहम्मदपुर विद्युत गृह के परिचालन एवं अनुरक्षण हेतु उप महाप्रबन्धक, पथरी का कार्यालय पथरी, बहादराबाद में स्थित है। उपमहाप्रबन्धक जानपद अनुरक्षण का कार्यालय भी स्थापित है जिसके तहत जानपदीय अनुरक्षण कार्य कराये जाते है।

<u>चिन्यालीसौड</u>

उत्तरकाशी जिले के अन्तर्गत चिन्यालीसौड़ में निगम के महाप्रबन्धक (भागीरथी वैली) का कार्यालय स्थापित है, जिसके अन्तर्गत मनेरी भाली चरण–प्रथम (तिलोथ) एवं मनेरी भाली चरण–द्वितीय (धरासू) परियोजनाओं का संचालन किया जाता है। मनेरी भाली चरण–प्रथम (तिलोथ) परियोजना के परिचालन एवं अनुरक्षण हेतु उप महाप्रबन्धक, तिलोथ का कार्यालय उत्तरकाशी में स्थित है। मनेरी भाली चरण–द्वितीय (धरासू) परियोजना के परिचालन एवं अनुरक्षण हेतु उप महाप्रबन्धक का कार्यालय चिन्यालीसौड़ में स्थित है। अधिशासी अभियन्ता जानपद अनुरक्षण का कार्यालय भी यहाँ स्थापित है।

<u>मनेरी</u>

उत्तरकाशी जिले के ही मनेरी नामक स्थान पर उत्पादनरत मनेरी प्रथम तथा द्वितीय परियोजनाओं के विभिन्न जानपदीय कार्यो के सम्पादन हेतु उप महाप्रबन्धक स्तर के कार्यालय खोले गये हैं। मनेरी बांध, तिलोथ व जोशियाडा तथा धरासू विद्युत गृह के जानपदीय कार्यों हेतु अधिशासी अभियन्ता स्तर के कार्यालय क्रमशः मनेरी, जोशियाडा तथा चिन्यालीसौड में स्थापित है।

<u>श्रीनगर</u>

पौड़ी गढ़वाल के श्रीनगर नामक स्थान पर गढ़वाल मंडल की लघु जल विद्युत परियोनाओं के निर्माण, परिचालन एवं अनुरक्षण हेतु उप महाप्रबन्धक,(वि0एवं या0) एवं उपमहाप्रबन्धक (जानपद) तथा अधिशासी अभियन्ता जानपद प्रथम लघु जल विद्युत परियोजनाएं (गढ़वाल) का कार्यालय है। इन परियोजनाओं के अनुरक्षण कार्यो हेतु अधिशासी अभियन्ता (वि0/या0) तथा अधिशासी अभियन्ता जानपद द्वितीय के कार्यालय कुण्ड (गुप्तकाशी) में स्थापित है।

<u>पिथौरागढ</u>

पिथौरागढ़ जिले में कुमाऊँ मंडल के अन्तर्गत आने वाली लघु जल विद्युत परियोजनाओं के सुचारु संचालन हेतु उप महाप्रबन्धक– लघु जल विद्युत परियोजनाएँ (कुमाऊँ) का कार्यालय स्थापित है। उक्त के अतिरिक्त अधिशासी अभियन्ता जानपद तथा वि0या0 कार्यालय क्रमशः धारचूला, मुन्स्यारी में स्थापित है।

खटीमा

पौड़ी गढ़वाल जिले में रामगंगा एवं शारदा वैली के अन्तर्गत रामगंगा जल विद्युत परियोजना एवं लोहियाहेड जल विद्युत परियोजना के संचालन हेतु खटीमा में महाप्रबन्धक का कार्यालय स्थापित है। रामगंगा विद्युत गृह के परिचालन एवं अनुरक्षण हेतु उप महाप्रबन्धक, रामगंगा का कार्यालय कालागढ़ में स्थित है। खटीमा विद्युत गृह के परिचालन एवं अनुरक्षण हेतु उप महाप्रबन्धक, खटीमा का कार्यालय खटीमा में स्थित है। जानपदीय अनुरक्षण कार्यो हेतु उपमहाप्रबन्धक का अनुरक्षण कार्यालय भी यहाँ स्थापित है।

कार्यरत वृहद् एवं मध्यम परियोजनाऐं

कम सं0	परियोजना का नाम	क्षमता	जिला
1	छिबरो जल विद्युत परियोजना	240 मे0वा0	देहरादून
2	खोदरी जल विद्युत परियोजना	120 मे0वा0	देहरादून
3	ढकरानी जल विद्युत परियोजना	33.75 मे0वा0	देहरादून
4	ढालीपुर जल विद्युत परियोजना	51 मे0वा0	देहरादून
5	कुल्हाल जल विद्युत परियोजना	30 मे0वा0	देहरादून
6	तिलोथ जल विद्युत परियोजना	90 मे0वा0	उत्तरकाशी
7	चीला जल विद्युत परियोजना	144 मे0वा0	पौड़ी
8	रामगंगा जल विद्युत परियोजना	198 मे0वा0	पौड़ी
9	शारदा जल विद्युत परियोजना	41.4 मे0वा0	उधमसिंह नगर
10	धरासू जल विद्युत परियोजना	304 मे0वा0	उत्तराकाशी
11	व्यासी जल विद्युत परियोजना	120 मे0वा0	देहरादून

कार्यरत लघु जल विद्युत परियोजनाऐं

कम सं0	परियोजना का नाम	क्षमता	जिला
1	मोहम्मदपुर जल विद्युत परियोजना	9.3 मे0वा0	हरिद्वार
2	पथरी जल विद्युत परियोजना	20.4 मे0वा0	हरिद्वार
3	गलोगी जल विद्युत परियोजना	3.5 मे0वा0	देहरादून

4	दुनाउ जल विद्युत परियोजना	1.5 मे0वा0	पौड़ी
5	उरगम जल विद्युत परियोजना	3.0 मे0वा0	चमोली
6	पिलंगाड–प्रथम जल विद्युत परियोजना	2.25 मे0वा0	उत्तरकाशी
7	कालीगंगा–प्रथम जल विद्युत परियोजना	4 मे0वा0	रूद्रप्रयाग
8	कालीगंगा–द्वितीय जल विद्युत परियोजना	4.5 मे0वा0	रूद्रप्रयाग
9	सुरिनगाड़–द्वितीय लघु जल विद्युत परियोजना	5 मे0वा0	पिथौरागढ़
10	मध्यमहेश्वर लघु जल विद्युत परियोजना	15 मे0वा0	रूद्रप्रयाग

कार्यरत सोलर परियोजनाऐं

क्रम सं0	परियोजना का नाम	क्षमता	जिला
1	कैनाल बैंक सोलर पी0वी0 यमुना वैली तथा पशुलोक बैराज	26.5 मे0वा0	देहरादून
2	कैनाल टॉप सोलर पी0वी0 यमुना पावर चैनल	1.00 मे0वा0	देहरादून
3	खोदरी तथा ढकरानी हाइड्रो प्रोजेक्ट के निकट सोलर परियोजना	7.364 मे0वा0	देहरादून
4	रूफ टॉप सोलर परियोजना	0.811 मे0वा0	देहरादून एवं हरिद्वार

निर्माणाधीन वृहद् एवं मध्यम जल विद्युत परियोजनाऐं

क्रम सं0	परियोजना का नाम	क्षमता	जिला
1	लखवाड़ जल विद्युत परियोजना	300 मे0वा0	देहरादून

निर्माणाधीन लघु जल विद्युत परियोजनाऐं

क्रम सं0	परियोजना का नाम	क्षमता	जिला
1	तांकुल लघु जल विद्युत परियोजना	12 मे0वा0	पिथौरागढ़

विकासाधीन वृहद् एवं मध्यम जल विद्युत परियोजनाऐं

क्रम सं0	परियोजना का नाम	क्षमता	जिला
1	त्यूनी पलासू जल विद्युत परियोजना	72 मे0वा0	देहरादून
2	सिरकारी भ्योल जल विद्युत परियोजना	120 मे0वा0	पिथौरागढ़
3	आराकोट त्यूनी जल विद्युत परियोजना	81 मे0वा0	उत्तरकाशी
4	किशाऊ जल विद्युत परियोजना	660 मे0वा0	देहरादून
5	हनोल त्यूनी जल विद्युत परियोजना	60 मे०वा०	उत्तरकाशी
6	बावला नन्द प्रयाग जल विद्युत परियोजना *	300 मे0वा0	चमोली
7	नन्द प्रयाग लंगासू जल विद्युत परियोजना *	100 मे0वा0	चमोली
8	तमकलता जल विद्युत परियोजना *	190 मे0वा0	चमोली
9	सेला उर्थिंग जल विद्युत परियोजना	114 मे0वा0	पिथौरागढ़

* गंगा की उपनदी पर प्रस्तावित हाने के दृष्टिगत इन परियोजनाओं पर कार्य लम्बित है।

प्रस्तावित पम्प स्टोरेज विद्युत परियोजनाऐं

1	ईछाडी पम्प स्टोरेज विद्युत परियोजना	600 मे0वा0	देहरादून
2	लखवाड़ व्यासी पम्प स्टोरेज विद्युत परियोजना	300 मे0वा0	देहरादून
3	व्यासी कटापत्थर पम्प स्टोरेज विद्युत परियोजना	150 मे0वा0	देहरादून
4	कालागढ़, पम्प स्टोरेज विद्युत परियोजना	1200 मे0वा0	पौड़ी गढ़वाल
5	मनेरी भाली पम्प स्टोरेज विद्युत परियोजना	400 मे0वा0	उत्तरकाशी

विकासाधीन लघु जल विद्युत परियोजनाऐं

क्रम सं0	परियोजना का नाम	क्षमता	जिला
1	गुप्तकाशी लघु जल विद्युत परियोजना *	1.5 मे0वा0	रूद्रप्रयाग

2	भिलंगना–द्वितीय–ए लघु जल विद्युत परियोजना *	24 मे0वा0	टिहरी
3	भिलंगना–द्वितीय–बी लघु जल विद्युत परियोजना *	24 मे0वा0	टिहरी
4	जिम्बागाड़ लघु जल विद्युत परियोजना	12 मे0वा0	पिथौरागढ़
5	स्वारीगाड़ लघु जल विद्युत परियोजना *	2 मे०वा०	उत्तरकाशी
6	पैनागाड़ लघु जल विद्युत परियोजना	15 मे0वा0	पिथौरागढ़
7	तपोवन लघु जल विद्युत परियोजना *	5 मे0वा0	पिथौरागढ़
8	असीगंगा–प्रथम लघु जल विद्युत परियोजना *	2 मे0वा0	उत्तरकाशी
9	असीगंगा–द्वितीय लघु जल विद्युत परियोजना *	2 मे0वा0	उत्तरकाशी
10	लिमचागाड़ लघु जल विद्युत परियोजना *	2 मे0वा0	उत्तरकाशी
11	कुलागाड़ लघु जल विद्युत परियोजना	1.2 मे0वा0	पिथौरागढ़
12	कंचौटी लघु जल विद्युत परियोजना	4 मे0वा0	पिथौरागढ़

* गंगा की उपनदी पर प्रस्तावित हाने के दृष्टिगत इन परियोजनाओं पर कार्य लम्बित है।

प्रस्तावित बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम

क्रम सं0	परियोजना का नाम	क्षमता	जिला
1	बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम ढकरानी	30 मे0वा0	देहरादून
2	बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम तिलोथ	15 मे0वा0	उत्तरकाशी
3	बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम खटीमा	15 मे0वा0	उधमसिंह नगर

प्रस्तावित ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना

क्रम सं0	परियोजना का नाम	क्षमता	जिला
1	ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना पथरी/ मोहम्मदपुर	447 कि0वा0	हरिद्वार

<u>मुख्यालय स्थित अध्यक्ष, प्रबन्ध निदेशक एवं निदेशकों के कार्यालय, पते एवं दूरभाषः</u>

क0सं0	कार्यालय	पता	दूरभाष
1	अध्यक्ष	उज्जवल, महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून पिन–248006	0135–2761494
2	प्रबन्ध निदेशक	उज्जवल, महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून पिन–248006	0135–2761485
3	निदेशक–परिचालन	उज्जवल, महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून पिन–248006	0135–2761484
4	निदेशक–परियोजना	उज्जवल, महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून पिन–248006	0135–2763286
5	निदेशक–वित्त	उज्जवल, महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून पिन–248006	0135–2763809
6	निदेशक (मा0सं0)	उज्जवल, महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून पिन–248006	0135–2763507